

Advisory on date 17.04.2026

KVK Scientist Dr. Khalil Khan stated that proper field preparation is essential for a better yield of black gram.

दैनिक जागरण 17/04/2026

70 दिनों में तैयार होगी उड़द की फसल

खेत खलिहान

जागरण संवाददाता, कानपुर : अप्रैल का महीना किसानों के लिए नई संभावनाएं लेकर आता है। जलवायु सौजन्य में उड़द को खेती कम समय में अधिक मुनाफा देने वाली फसल साबित हो सकती है। खास बात यह है कि यह फसल 60 से 70 दिनों में तैयार होकर किसानों को अच्छा उत्पादन देती है। वहीं गेहूँ को कटाई के बाद खाली पड़े खेतों का सही उपयोग करते हुए उड़द की बोआई कर सकते हैं। इस कम समय में तैयार होने वाले फसल के लिए किसान 20 अप्रैल तक आईपीएचू 2-43 विराट, पंत उड़द-31 और शिखर आजाद जैसी उन्नत किस्मों की बोआई कर सकते हैं। बीज दर आठ से नौ किलो प्रति एकड़ रखी जाती है, जिससे कम लागत में अच्छी पैदावार मिलती है। यह फसल न केवल बाजार में अच्छी कीमत दिलाती है बल्कि कम समय में तैयार हो जाती है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कृषि विज्ञान केंद्र के

- आठ से नौ किलो प्रति एकड़ के हिसाब से डालें बीज, बीने से पहले खेत की दो बार करें जोताई
- आईपीएचू 2-43 विराट, पंत उड़द-31 व शिखर आजाद प्रजातियों को किसान दे प्राथमिकता

एक एकड़ में हो सकती आठ विंटल पैदावार

डा. खान ने बताया कि सही प्रयोग के साथ किसान प्रति एकड़ आठ विंटल तक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। इस समय बोआई करने वाले किसान पीला मीजक वाइरस प्रतिरोधी किस्मों का चयन जरूर करें ताकि मानसून से फसल सुरक्षित रहे। बड़ा फायदा यह भी है कि यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है। इसकी ग्रहण बालुमिटल से नाइट्रोजन को सोखकर मिट्टी में स्थिर करती है।

उड़द की फसल • खीरसा

मृदा वैज्ञानिक डा. खलील खान ने बताया कि उड़द को बेहतर पैदावार के लिए खेत की अच्छी तैयारी बेहद जरूरी है। किसानों को दो बार जोताई कर मिट्टी धुरधुरी बनानी चाहिए। प्रति एकड़ 20 किलो डीएपी और 10 किलो सल्फर का बेसल डोज देना फायदेमंद रहता है। बोआई से पहले बीजों को दो ग्राम प्रति किलो थायरस और राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना चाहिए ताकि अंकुरण अच्छा हो। बोआई के समय कतार में 25 सेमी की दूरी और बीज की गहराई चार से छह सेमी रखना उचित रहता है। सिंचाई और देखभाल से बढ़ेगी पैदावार डा. खलील खान ने बताया कि अप्रैल में तापमान अधिक होने से बोआई के तुरंत बाद सिंचाई जरूरी है। सात से 10 दिनों के बाद नमी होना चाहिए। खरपतवार नियंत्रण के लिए बोआई के 48 घंटे के भीतर पेंडिमैथालिन का छिड़काव किया जा सकता है। कोट प्रबंधन में सफेद मक्खी और रस चूसक कोटों से बचाव के लिए 20-25 दिन बाद इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करना चाहिए।

अब शाम 7 तक चलेंगी डेढ़ घंटे

जयंत कानपुर : रातों के संस्कार समग्र बंधा कि एक से बसें न सेनाएं दे तर्क नाम 7:30 होंगे। ये ज टूटसपेट (केसर्टीएफ अंभिनस में वर्तमान में बस्ती का गतिर आ रही बंद न इलेक्ट्रि पाती यात्रि आठ घड़त हैं। अति इस प्र च 2